श्री नीतीश मिश्रा, माननीय स0वि0स0 से प्राप्त अल्पसूचित प्रश्न सं0–02 का उत्तर।

खंड	प्रश्नकर्त्ता	उत्तरदाता
	श्री नीतीश मिश्रा, माननीय, स0वि0स0	**श्री मंगल पांडेय, माननीय मंत्री, स्वास्थ्य विभाग।**
	क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–	
1	क्या यह बात सही है कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी ने हम सबों को सावधान कर दिया है कि भविष्य में उत्तम स्वास्थ्य सुविधा से युक्त अस्पताल ही ऐसी त्रासदी से निबटने का एकतात्र साधन होगा जिसके तहत ही राज्य के मेडिकल कॉलेजों, सदर एवं अनुमण्डल अस्पतालों में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाये जा रहे हैं;	**उत्तर स्वीकारात्मक है।** राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 122 PSA ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किया जा रहा है। इनमें से 62 प्लांट भारत सरकार द्वारा PM Care कोष से अधिष्ठापित किया जा रहा है एवं 9 मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पेट्रोलियम मंत्रालय, भारत सरकार तथा बिहार सरकार एवं अन्य संस्थानों के सहयोग से 51 प्लांट का अधिष्ठापन किया जा रहा है।
2	क्या यह बात सही है कि ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाने के साथ ही उसके सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ रख–रखाव एवं संचालन के लिए पारा मेडिकल स्टाफ, आधुनिक टेकनिशियन एवं मानव संसाधन की आवश्यकता होगी ;	**उत्तर स्वीकारात्मक है।** राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में पारामेडिकल स्टाफ, टेक्नीशियन एवं अन्य अनुषंगी मानव बल उपलब्ध है। ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट के संचालन हेतु अलग से विशिष्ट प्रकार के मानव बल की आवश्यकता नहीं है। भारत सरकार के दिशा–निर्देश के तहत् स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत कर्मियों में से ही दो–दो टेक्निकल पर्सन का चयन कर लिया गया है, जिन्हें भारत सरकार के द्वारा प्लांट संचालन तथा संरक्षण हेतु प्रशिक्षण दिये जाने की योजना है।
3	क्या यह बात सही है कि राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा अबतक इन पदों की स्वीकृति एवं इनमें लागत का बजटीय प्रावधान नहीं किया गया है	उत्तर अस्वीकारात्मक है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत् पारामेडिकल स्टाफ सहित अन्य मानव संसाधन के लिए बजटीय आवंटन प्राप्त है। साथ ही, NHM के स्वीकृत पदों पर नियोजन की प्रक्रिया चल रही है।
4	यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार को इस पर कार्य योजना बनाने हेतु निदेशित करने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक नहीं तो क्यों ?	उपर्युक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है।